



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

IT IS RESPONSIBILITY OF PARLIAMENT TO WORK FOR AN INCLUSIVE AND ENLIGHTENED SOCIETY: LOK SABHA SPEAKER/समावेशी और जागरूक समाज के लिए कार्य करना संसद का दायित्व है: लोक सभा अध्यक्ष

...

IT REVOLUTION HAS EMPOWERED DEMOCRACY IN INDIA: LOK SABHA SPEAKER/भारत में संचार क्रांति ने लोकतंत्र को सशक्त किया है: लोक सभा अध्यक्ष

...

PEOPLE SEE PARLIAMENT AS A MEDIUM OF TRANSFORMATION IN THEIR SOCIO-ECONOMIC STATUS: LOK SABHA SPEAKER/जनता संसद को अपनी सामाजिक आर्थिक स्थिति में परिवर्तन के वाहक के रूप में देखती है: लोक सभा अध्यक्ष

...

IT AND MOBILE APPLICATIONS HAVE IMPROVED EFFICIENCY OF PARLIAMENT AND MPs: LOK SABHA SPEAKER/डिजिटल संसद ऐप और डिजिटल लाइब्रेरी से संसद के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है: लोक सभा अध्यक्ष

...

DIGITAL SANSAD APP AND DIGITAL LIBRARY HAVE INCREASED TRANSPARENCY AND ACCOUNTABILITY IN FUNCTIONING OF

PARLIAMENT: LOK SABHA SPEAKER/ डिजिटल संसद ऐप और डिजिटल लाइब्रेरी से संसद के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES WORKSHOP ON “A PEOPLE’S PARLIAMENT: ACCESSIBILITY THROUGH INNOVATION” IN THE 65TH COMMONWEALTH PARLIAMENTARY CONFERENCE/ लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला 24 अगस्त, 2022 को हैलिफैक्स में 65वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में 'ए पीपल्स पार्लियामेंट: इनोवेशन थ्रू इनोवेशन' विषय पर प्रतिभागियों को कार्यशाला को संबोधित करते हुए।

...

LOK SABHA SPEAKER MEETS HIS CANADIAN COUNTERPARTS IN HALIFAX/लोकसभा अध्यक्ष ने हैलिफैक्स में अपने कनाडाई समकक्षों से मुलाकात की

...

Halifax / New Delhi; 25 August, 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla, who is leading Indian Parliamentary Delegation to 65th Commonwealth Parliamentary Conference being held in Halifax in Canada, addressed the workshop on "A People's Parliament: Accessibility through Innovation".

Observing that hopes and aspirations of people in a parliamentary democracy are expressed through the Parliament, Shri Birla opined that People see the Parliament as a medium of transformation in their socio-economic status. Therefore, as the supreme representative body, it is the responsibility of the Parliament to act according to the expectations and aspirations of the people. He urged delegates to build a prosperous, inclusive and enlightened society, so that the benefits of development could reach the last person in the queue. Speaking on the successful democratic system in India, Shri Birla said that the people in India have consistently reposed their faith in democratic institutions through free and fair elections in the 75 years since independence. The increasing voter turnout in the elections has proved that the people consider democracy as the best form of governance.

Lauding the emergence of India at global stage, Shri Birla said that we are celebrating this year as the Amrit Mahotsav of Independence to mark the successful journey of Indian democracy during the last 75 years. On this occasion, the people of India have also resolved to make our country the most developed in the comity of nations.

Underlining the role of technology in functioning of legislatures, Shri Birla observed that technology has bridged the gap between democratic institutions and citizens. In a vast country like India, the IT revolution has played a significant role in empowering democracy. Through information technology, citizens can not only monitor the work of public representatives in Parliament, but public participation in parliamentary democracy can be made more easy and accessible. In this context, he mentioned about Digital India Mission, Digital Sansad, Mobile App and Sansad TV. He said that Information technology and mobile applications have increased the efficiency of Parliament and parliamentarians and the Digital Parliament App and Digital Library have increased transparency and accountability in the working of Parliament.

Shri Birla suggested that the Parliaments of Commonwealth countries should interact regularly, share best practices and help each other to implement these best practices.

Later in the day, Shri Birla met Speaker of the Senate, Canada H.E. Mr. George J. Furey. Mentioning about Presidential & Vice-Presidential elections in India, Shri Birla apprised Mr. Furey that a tribal woman has been elected as President of the largest democracy in the world. He also shared thoughts on strategies towards strengthening role of parliamentary committees in ensuring accountability of Executive, exchange of ideas, sharing of best practices between the two Parliaments, celebration of Azadi Ka Amrit Mahotsava in Canada and several other issues of mutual interest.

Shri Birla also met Speaker, House of Commons, Canada H.E. Mr. Anthony Rota on sidelines of the Conference and congratulated him for his election as Speaker. The two leaders had an insightful discussion on shared perspective between India & Canada on socio-economic development & people-to-people contact. They also discussed about enhancing bilateral ties in trade, economic and cultural relations. Shri Birla further stressed on the role of India-Canada Friendship Group in enhancing parliamentary cooperation between the two countries and discussed other issues of mutual interest.

हैलिकैक्स/नई दिल्ली; 25 अगस्त, 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कल 65वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में "ए पीपल्स पार्लियामेंट: एक्सेसिबिलिटी थ्रू इनोवेशन" विषय पर आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागियों को संबोधित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में जनता की आशाओं एवं आकांक्षाओं को संसद द्वारा अभिव्यक्त किया जाता है और जनता संसद को अपनी सामाजिक आर्थिक स्थिति में परिवर्तन के वाहक के रूप में देखती है। उन्होंने आगाह किया कि इस लिए सर्वोच्च प्रतिनिधि संस्था के रूप में संसद का दायित्व है कि वह जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करे। श्री बिरला ने प्रतिभागियों से कहा कि वे एक समृद्ध, समावेशी और जागरूक समाज के निर्माण हेतु कार्य करें, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच पाए। भारत में गणतांत्रिक व्यवस्था की सफलता पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 75 वर्षों में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के माध्यम से हमारे देश की जनता ने लोकतांत्रिक संस्थाओं में बार-बार अपना विश्वास व्यक्त किया है। चुनावों में मतदान के बढ़ते प्रतिशत ने यह साबित किया है कि जनता लोकतंत्र को शासन की सर्वोत्तम पद्धति मानती है।

विश्वपटल पर भारत के उद्भव की सराहना करते हुए श्री बिरला ने कहा कि अपनी 75 वर्षों की इसी सफल यात्रा को हम इस वर्ष आज़ादी के अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं जिसके अंदर हम अपने देश को समृद्धि एवं विकास के क्षेत्र में विश्व की अग्रिम पंक्ति में रखने का संकल्प कर रहे हैं।

संसदीय कार्यप्रणाली में टेक्नोलॉजी की भूमिका पर रेखांकित करते हुए श्री बिरला ने कहा कि तकनीक ने लोकतांत्रिक संस्थाओं एवं नागरिकों के बीच की दूरी को समाप्त कर दिया है। भारत जैसे विशाल देश में संचार क्रांति ने लोकतंत्र को सशक्त बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से नागरिक न सिर्फ संसद में जनप्रतिनिधियों के कार्यों पर निगरानी रख सकते हैं, बल्कि संसदीय लोकतंत्र में जनता की भागीदारी को और अधिक सहज और सुलभ बनाया

जा सकता है। इस सन्दर्भ में उन्होंने डिजिटल इंडिया मिशन, डिजिटल संसद, संसद टीवी और मोबाइल ऐप के बारे में उल्लेख किया। सूचना प्रौद्योगिकी एवं मोबाइल एप्लीकेशनों से संसद की तथा सांसदों की कार्यकुशलता में वृद्धि हुई है और डिजिटल संसद ऐप और डिजिटल लाइब्रेरी से संसद के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है, श्री बिरला ने कहा।

श्री बिरला ने सुझाव दिया कि राष्ट्रमंडल देशों की संसदों को नियमित रूप से आपस में बातचीत करनी चाहिए, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना चाहिए और इन सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करने के लिए एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए।

बाद में, श्री बिरला ने सीनेट , कनाडा के अध्यक्ष एच.ई. श्री जॉर्ज जे फ्यूरी से मुलाकात की । भारत में राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति चुनावों का उल्लेख करते हुए , श्री बिरला ने श्री फ्यूरे को अवगत कराया कि एक आदिवासी महिला को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है। उन्होंने कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने में संसदीय समितियों की भूमिका को मजबूत करने, दोनों संसदों के बीच विचारों के आदान-प्रदान , सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने , कनाडा में आजादी का अमृत महोत्सव मनाने और आपसी हित के कई अन्य मुद्दों पर श्री जॉर्ज जे फ्यूरी से विचार साझा किए।

सम्मेलन के दौरान श्री बिरला ने स्पीकर, हाउस ऑफ कॉमन्स, कनाडा के महामहिम श्री एंथनी रेटा से भी मुलाकात की। अध्यक्ष के रूप में उनके चुनाव के लिए उन्हें बधाई दी और सामाजिक-आर्थिक विकास और लोगों से लोगों के संपर्क पर भारत और कनाडा के बीच साझा दृष्टिकोण पर एक चर्चा की। उन्होंने व्यापार , आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के बारे में भी चर्चा की। श्री बिरला ने दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग बढ़ाने में भारत-कनाडा मैत्री समूह की भूमिका पर भी जोर दिया और आपसी हित के अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

